Jawaharlal Nehru National Science, Mathematics and Environment Exhibition for Children

With a view to encourage, popularize and inculcate scientific temper among the children of the country, NCERT organizes national level science exhibition every year where children showcase their talents in science and mathematics and their applications in different areas related with our everyday life.

The first Science Exhibition was jointly organized under the banner of the National Science Exhibition for Children in 1971, by the NCERT and the University Grants Commission (UGC) at Delhi. The subsequent National Science Exhibitions for Children have been organized by NCERT alone.

From 1972 to 1978, the Jawaharlal Nehru Memorial Fund collaborated with the NCERT in its efforts to popularise Science Exhibitions by jointly sponsoring the National and State Level Science Exhibitions.

In 1988 with the birth centenary celebration of Jawaharlal Nehru, the National Science Exhibition was renamed as the 'Jawaharlal Nehru National Science Exhibition for Children'. This year being celebrated as Year of Mathematics and to give more emphasis on environment-related issues, this exhibition is now renamed as Jawaharlal Nehru National Science, Mathematics and Environment Exhibition (JNNSMEE) for Children.

**Objectives of the Exhibition**

* to provide a forum for children to pursue their natural curiosity and inventiveness to quench their thirst for creativity;
* to make children feel that science is all around us and we can gain knowledge as well as solve many problems also by relating the learning process to the physical and social environment;
* to lay emphasis on the development of science and technology as a major instrument for achieving goals of self-reliance and socio-economic and socio-ecological development;
* to highlight the role of science and technology for producing good quality and environmental friendly materials for the use of society;
* to encourage children to visualise future of the nation and help them become sensitive and responsible citizens;
* to analyse how science has developed and is affected by many diverse individuals, cultures, societies and environment;
* to develop critical thinking about global issues to maintain healthy and sustainable societies in today's environment;
* to apply mathematics and information technology to visualise and solve problems pertaining to everyday life etc.;
* to appreciate the role of science in meeting the challenges of life such as climate change, opening new avenues in the area of agriculture, fertiliser, food processing, biotechnology, green energy, disaster management, information and communication technology, astronomy, transport, games and sports etc.; and

to create awareness about environmental issues and concerns and inspiring children to devise innovative ideas towards their mitigation.

जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय विज्ञान, गणित और बच्चों के लिए पर्यावरण प्रदर्शनी

देश के बच्चों के बीच वैज्ञानिक स्वभाव को प्रोत्साहित करने, लोकप्रिय बनाने और विकसित करने के उद्देश्य से, एनसीईआरटी हर साल राष्ट्रीय स्तर की विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन करता है, जहाँ बच्चे विज्ञान और गणित में अपनी प्रतिभा और अपने रोजमर्रा के जीवन से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में अपने अनुप्रयोगों का प्रदर्शन करते हैं।

एनसीईआरटी और दिल्ली में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा 1971 में बच्चों के लिए राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी के बैनर तले पहली बार विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। बच्चों के लिए बाद में राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी अकेले NCERT द्वारा आयोजित की गई हैं।

1972 से 1978 तक, जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल फंड ने राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनियों को संयुक्त रूप से प्रायोजित करके विज्ञान प्रदर्शनियों को लोकप्रिय बनाने के अपने प्रयासों में NCERT के साथ सहयोग किया ।

1988 में जवाहरलाल नेहरू के जन्म शताब्दी समारोह के साथ, राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी का नाम बदलकर 'जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी बच्चों के लिए' कर दिया गया। इस वर्ष को गणित के वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है और पर्यावरण से संबंधित मुद्दों पर अधिक जोर देने के लिए, इस प्रदर्शनी को अब बच्चों के लिए जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय विज्ञान, गणित और पर्यावरण प्रदर्शनी (JNNSMEE) नाम दिया गया है।

**प्रदर्शनी का उद्देश्य**

* रचनात्मकता के लिए अपनी प्यास बुझाने के लिए बच्चों को उनकी प्राकृतिक जिज्ञासा और आविष्कार को आगे बढ़ाने के लिए एक मंच प्रदान करना;
* बच्चों को यह महसूस करने के लिए कि विज्ञान हमारे चारों ओर है और हम ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं और साथ ही कई समस्याओं को हल करने की प्रक्रिया को भौतिक और सामाजिक वातावरण से संबंधित कर सकते हैं;
* आत्मनिर्भरता और सामाजिक-आर्थिक और सामाजिक-पारिस्थितिक विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक प्रमुख साधन के रूप में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास पर जोर देना;
* समाज के उपयोग के लिए अच्छी गुणवत्ता और पर्यावरण के अनुकूल सामग्री के उत्पादन के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका को उजागर करना;
* बच्चों को राष्ट्र के भविष्य की कल्पना करने और उन्हें संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद करने के लिए प्रोत्साहित करना ;
* विश्लेषण करने के लिए कि विज्ञान कैसे विकसित हुआ है और कई विविध व्यक्तियों, संस्कृतियों, समाजों और पर्यावरण से प्रभावित है;
* आज के परिवेश में स्वस्थ और स्थायी समाज को बनाए रखने के लिए वैश्विक मुद्दों के बारे में महत्वपूर्ण सोच विकसित करना;
* गणित और सूचना प्रौद्योगिकी लागू करने के लिए कल्पना और रोजमर्रा की जिंदगी आदि से संबंधित समस्याओं को हल करने .;
* जलवायु परिवर्तन, कृषि, उर्वरक , खाद्य प्रसंस्करण, जैव प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, आपदा प्रबंधन, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी, खगोल विज्ञान, परिवहन, खेल और खेल के क्षेत्र में नए रास्ते खोलने जैसे जीवन की चुनौतियों का सामना करने में विज्ञान की भूमिका की सराहना करते हैं। खेल आदि; तथा
* उनके शमन की दिशा में नवीन विचारों वसीयत को पर्यावरण के मुद्दों और चिंताओं और प्रेरणादायक बच्चों के बारे में जागरूकता पैदा करना।